श्री अष्टावक्र गीता

(संस्कृत सूत्रों का [illegible]ानुवाद)

अभिनन्दन गोइल

Scanned with OKEN Scanner

कृति :
श्री अष्टावक्र गीता (संस्कृत सूत्रों का सरस भावानुवाद)

अनुवादक :
© अभिनन्दन गोइल

प्रकाशक :
स्व. श्रीमती कस्तूरीदेवी गोइल स्मृति ट्रस्ट
गोइल निवास, बाजार जैन मंदिर मार्ग, टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001

संस्करण :
प्रथम, 2019

आकल्पन :
विशाल आनंद रावत
सुनील प्रिंटिंग प्रेस, टीकमगढ़

मुद्रक :
सुनील प्रिन्टर्स एण्ड सप्लायर्स
टीकमगढ़ (म.प्र.)

मूल्य : ₹ 150/-

SHRI ASTAVAKRA GEETA
(Sanskrit Sutron Ka Saras Bhavanuwad)

Translator :
© **Abhinandan Goel**

Publisher :
Late Smt. Kasturi Devi Goel Smrati Trust
Goel Niwas, Bazar Jain Mandir Marg, Tikamgarh (M.P.) 472001

Price : ₹ 150/-

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन - अभिनंदन गोइल		5
मनोगतम् - पं. कपिल देव तैलंग		12
अष्टावक्र गीता -		
प्रकरण -1	राजा जनक के प्रश्न और श्री अष्टावक्र के उत्तर	19
प्रकरण -2	राजा जनक उवाच	27
प्रकरण -3	श्री अष्टावक्र द्वारा राजा जनक के ज्ञान की परीक्षा	37
प्रकरण -4	श्री अष्टावक्र के प्रश्नों का राजा जनक द्वारा उत्तर	43
प्रकरण -5	श्री अष्टावक्र द्वारा मोक्ष प्राप्ति हेतु उपदेश	46
प्रकरण -6	राजा जनक द्वारा ज्ञान का प्रमाण	48
प्रकरण -7	राजा जनक द्वारा अपने अंतरंग की स्थिति का वर्णन	50
प्रकरण -8	श्री अष्टावक्र द्वारा बंध और मुक्ति का विवेचन	52
प्रकरण -9	श्री अष्टावक्र द्वारा शांति प्राप्ति हेतु उपदेश	54
प्रकरण -10	श्री अष्टावक्र द्वारा इन्द्रिय विषय त्याग का उपदेश	57
प्रकरण -11	श्री अष्टावक्र द्वारा शान्ति प्राप्ति के उपाय	60
प्रकरण -12	राजा जनक द्वारा आत्मज्ञान का वर्णन	64
प्रकरण -13	राजा जनक द्वारा आत्मानुभव	68
प्रकरण -14	राजा जनक उवाच	71
प्रकरण -15	श्री अष्टावक्र द्वारा जनक के आत्मज्ञान की पुष्टि हेतु उपदेश	73
प्रकरण -16	श्री अष्टावक्र द्वारा तत्वज्ञान का उपदेश	81
प्रकरण -17	श्री अष्टावक्र द्वारा उपदेश	86
प्रकरण -18	आत्मज्ञान शतक	94
प्रकरण -19	राजा जनक द्वारा कृतज्ञता भाव प्रदर्शित	133
प्रकरण -20	जनक द्वारा मुक्त अवस्था का वर्णन	-

Scanned with OKEN Scanner

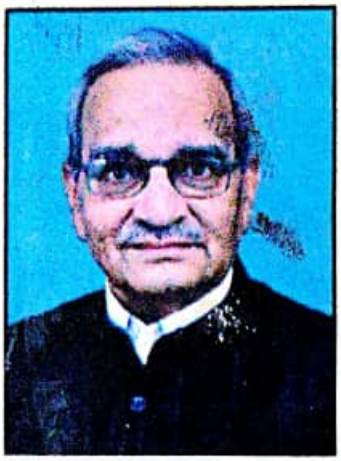

लेखक परिचय

इंजीनियरिंग स्नातक, संवेदनशील समाजसेवी एवं साहित्यकार श्री अभिनन्दन गोइल का जन्म 10 नवम्बर 1948 को टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) में हुआ था। आपके पिताजी प्रसिद्ध समाजसेवी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व विधायक स्व. दादा मगनलाल जी गोइल थे।

श्री अभिनन्दन गोइल मानव सेवा के प्रति समर्पित संस्था लायन्स क्लब एवं भारतीय जैन मिलन टीकमगढ़ के संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष रहते हुए नेत्र शिविरों तथा स्वास्थ्य शिविरों द्वारा मानव सेवा की विविध गतिविधियों में अग्रणी रहे हैं। जिला योग परिषद् टीकमगढ़ के अध्यक्ष रहते हुए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के शिविर आयोजित कर समाज की महती सेवा की है।

दयोदय पशु सेवा केन्द्र (गौशाला) पपौरा के संस्थापक महामंत्री एवं अध्यक्ष रहकर उक्त गौशाला को देश की श्रेष्ठतम् गौशालाओं के समकक्ष बनाने में अग्रणी भूमिका निभायी है। भगवान महावीर बाल संस्कार केन्द्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टीकमगढ़ के महामंत्री रहकर मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति प्रयासरत रहे हैं।

अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद्, जिला–टीकमगढ़ के अध्यक्ष, मध्यप्रदेश तुलसी साहित्य अकादमी टीकमगढ़, मध्य प्रदेश लेखक संघ टीकमगढ़ एवं अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य परिषद टीकमगढ़ के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्यरत रहते हुए साहित्यिक गतिविधियों के संचालन में सहभागी रहते हैं।

हिन्दी एवं बुन्देली में आपके लेख, समीक्षाएँ, लोक कथाएँ एवं कविताएँ प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं। आकाशवाणी छतरपुर एवं दूरदर्शन भोपाल से वार्ताएँ भी प्रसारित हुयी हैं।

स्मृतिशेष दादा मगनलाल गोइल गौरव ग्रन्थ 'महक बुन्देली माटी की' का प्रकाशन, लायन्स क्लब, टीकमगढ़ की पत्रिका 'निष्ठा' एवं 'आस्था-दीप' और 'श्री लक्ष्मीनारायण नायक अभिनन्दन ग्रन्थ' का संपादन आपने किया है।

प्रकाशित कृतियाँ– 1. जल ही जीवन है 2. राष्ट्रीय जागरण के पुरोधा–स्वामी विवेकानन्द 3. पीर घनेरी (बुन्देली में लोक कथाएँ) 4. ओरछा राज्य में स्वतंत्रता आंदोलन।

आपको अनेक साहित्यिक एवं सामाजिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। विभिन्न सेमीनारों, संगोष्ठियों को संबोधित करने वाले श्री गोइल श्रेष्ठ वक्ता एवं कुशल मंच संचालक भी हैं।

सम्पर्क : **बाजार जैन मंदिर मार्ग, टीकमगढ़ (म.प्र.)**
9424923622
abhinandantkg@gmail.com

प्रस्तुति :
... विजय कुमार मेहरा
जिला पुस्तकालयाध्यक्ष
टीकमगढ़ (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner